राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 312 | जौनपुर | बुधवार, 02 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

आयुष विश्वविद्यालय का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया लोकार्पण

गोरखपुर , (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महायोगी गुरु गोरखनाथ की पवित्र धरती को नमन करते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि गुरु गोरखनाथ के बारे में कहा गया है कि आदि गुरु शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली महापुरुष भारत में दोबारा नहीं हुआ। गोरखपुर योग भूमि है। गुरु गोरखनाथ ने इस क्षेत्र को अक्षय आध्यात्मिक ऊर्जा से समृद्ध किया। यह परमहंस योगानंद की जन्मभूमि भी है। आप सभी ऐसे महान स्थानीय परंपरा से जुड़े हैं, जिनका राष्ट्रीय महत्व और मानवता पर प्रभाव है। श्री आदिनाथ, मत्स्येंद्रनाथ और गुरु गोरक्षनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरखपुर से प्रसारित हुआ नाथ पंथ भारत के कोने–कोने और अन्य देशों में भी मानवता के कल्याण में सक्रिय है। तपस्या, साधना और अध्यात्म की यह धरती आत्मगौरव व राष्ट्रप्रेम की आध ार भूमि भी है। 18वीं सदी के संन्यासी विद्रोह से लेकर 1857 के स्वाधीनता संग्राम तक गोरखपुर नाथ पंथ के योगी, जनकल्याण और स्वाधीनता संग्राम का सूत्रधार रहा है। इस ध ारती से बाबू बंधु सिंह व रामप्रसाद बिस्मिल जैसे बलिदानियों की गाथाएं जुड़ी हैं। राष्ट्रपति ने कहाकि लगभग 100 वर्ष से गीताप्रेस गोरखपुर ने भारत के जनमानस को धर्म व संस्कृ ति से जोड़े रखने का महान कार्य किया है। गीताप्रेस का प्रकाशन संस्कृ त व हिंदी के अलावा अनेक भाषाओं में उपलब्ध है। ओड़िया भागवत के नाम से विख्यात अतिबड़ी जगन्नाथ दास द्वारा रचित भागवत महापुराण को ओडिशा के लोग बहुत सम्मान से पढ़ते हैं। ओड़िया भागवत का प्रकाशन व प्रसार भी गीताप्रेस गोरखपुर द्वारा किया गया है। कल शाम को गोरखनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन का अवसर मिला। वहां गीताप्रेस द्वारा उड़िया भाषा में प्रकाशित शिवपुराण और भागवत की प्रतियां भेंट की गईं। यह पुस्तकें गोरखपुर के अमूल्य सौगात और स्मृति के रूप में सदैव रहेंगी। कुछ वर्षों से गोरखपुर में इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज गति से हो रहा विकास राष्ट्रपति ने कहा कि गोरखपुर में कुछ वर्षों से इंफ्रास्ट्रक्चर का बहुत तेज गति से विकास हो रहा है। गोरखपुर इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथॉरिटी (गीडा) की गतिविधियों का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। यहां के टेरोकाटा के कलात्मक उत्पाद देश–विदेश में निरंतर लोकप्रिय हो रहे हैं। यहां के निवासियों में ऐसी अनेक उपलब्धियों से नई ऊर्जा व आकांक्षा का संचार हो रहा है। यह विश्वविद्यालय देश में मेडिकल एजुकेशन व चिकित्सा सेवा के विकास में मील का पत्थर साबित होगा । राष्ट्रपति ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जैसे विलक्षण विभूति के पवित्र नाम से जुड़े इस विश्वविद्यालय में आकर उनके प्रति श्रद्धा का और अधिक संचार हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम, पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 75 साल के इतिहास में पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू की है। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट के गैर न्यायिक पदों पर नियुक्तियों और प्रमोशन में आरक्षण का लाभ मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण नीति 23 जून 2025 को लागू हुई। यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में प्रशासनिक कामकाज में बड़े बदलाव का संकेत है। हालांकि जजों पर आरक्षण लागू नहीं होगा और सिर्फ रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, चौंबर अटेंडेंट आदि पदों पर आरक्षण लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण के तहत तीन कैटेगरी होंगी, जिनमें एससी, एसटी और गैर आरक्षित शामिल होंगी। आरक्षण लागू करने को लेकर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर सभी सरकारी संस्थानों और विभिन्न उच्च न्यायालयों में आरक्षण नीति लागू है तो फिर सुप्रीम कोर्ट को ही क्यों अपवाद रखा जाए? उन्होंने कहा कि हमारे मूल्य हमारे एक्शन का आईना होना चाहिए। 24 जून को जारी सर्कुलर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति (एससी) के कर्मचारियों को 15 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कथित विदेशी फंड को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने भारत को सोवियत संघ को बेच दिया था। सीआईए के एक दस्तावेज का हवाला देते हुए दुबे ने अपने आरोपों को दोहराया कि दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में सोवियत संघ ने 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को वित्त पोषित किया था और कांग्रेस उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने 1977–80 के दौरान जर्मन सरकार से 5 लाख रुपये लिए थे। निशिकांत दुबे ने एएनआई से कहा, ष्सीआईए और मित्रोखिन की डायरियों में उल्लेख है कि दिवंगत कांग्रेस नेता एचकेएल भगत के नेतृत्व में 150 से अधिक कांग्रेस सांसदों को सोवियत रूस द्वारा वित्त पोषित किया गया था। इसमें यह भी उल्लेख है कि रूस द्वारा उनकी इच्छानुसार कुल 16,000 समाचार लेख प्रकाशित किए गए थे... इसमें यह भी उल्लेख है कि कांग्रेस उम्मीदवार सुभद्रा जोशी ने चुनाव के नाम पर 1977–80 तक जर्मन सरकार से 5 लाख रुपये लिए और उसके बाद वह इंडो–जर्मन फोरम की अध्यक्ष बन गईं। अगर आप इसे देखें तो ऐसा लगता है कि गांधी परिवार के नेतृत्व में हमारा देश सोवियत रूस को बेच दिया गया था । राजदूत मोइनिहान ने अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को धन दिया था। भाजपा सांसद ने कहा, ष्मैंने आज जो कहा वो ये है कि 10 मई 1979 को राज्यसभा में एक चर्चा हुई थी, अमेरिकी राजदूत मोइनिहान द्वारा लिखी गई किताब में उल्लेख है कि उन्होंने इंदिरा गांधी को दो बार पैसे दिए, इस पर राज्यसभा में पूरी बहस हुई और मैंने निक्सन और किसिंजर के बीच फोन पर हुई बातचीत का उल्लेख किया है, जिसमें वे पैसे देने की बात कर रहे हैं, कांग्रेस को कैसे मैनेज किया जा सकता है, सरकार को कैसे मैनेज किया जा सकता है। ये सारी बातें चिंताजनक हैं। देशवासियों को बचाया उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल को छोड़कर 2014 तक भारत सरकार है।

राहुल गांधी ने अलग अंदाज में अखिलेश यादव को दी बधाई

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन है. सपा चीफ के जन्मदिन को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की तरफ से कई आयोजन

किए जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है. लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर लिखा कि च्च। की बुलंद आवाज भाई अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई! आप स्वस्थ रहें, खुश रहें. हम इस न्याय और बराबरी की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर आपके साथ हैं.।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई!. अखिलेश यादव ने भी सीएम योगी की बधाई स्वीकार की और जवाब में आपकी शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद लिख सीएम योगी को शुक्रिया कहा.। यूपी के मुख्यमंत्री के अलावा प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

मोदी सरकार ने देश में रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव (ईएलआई) स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करेगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इस योजना के दो हिस्से होंगे। पहला हिस्सा उन लोगों के लिए होगा जो पहली बार रोजगार शुरू कर रहे हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा लगातार रोजगार देने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए होगा। इसके अलावा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन स्कीम, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और परमकुडी–रामनाथपुरम नेशनल हाईवे के चार लेन बनाने के लिए 1,853 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है। सरकार ने मंगलवार को रोजगार सृजन, कौशल बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत घ1.07 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसका विशेष फोकस निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र पर रहेगा। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस बारे में जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। इस योजना का उद्देश्य दो वर्षों में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित करना है। इसके साथ ही, योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए घ3,000 प्रति माह तक की प्रोत्साहन राशि दो वर्षों तक दी जाएगी।यह प्रोत्साहन उन नियोक्ताओं को मिलेगा जो ऐसे कर्मचारियों को नियुक्त करेंगे जिनका वेतन 1 लाख रुपए प्रतिमाह तक है। निर्माण क्षेत्र के लिए यह प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक भी जारी रहेगा। सरकार ने देश में शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जानकारी दी कि केंद्रीय कैबिनेट ने रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन (त्क्) स्कीम को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत देश में शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन वाली योजना को तैयार करने से पहले अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन ने दुनिया के कई देशों के सफल शोध मॉडलों का अध्ययन किया।

राजेडी मोदी के सामाजिक सशक्ति करण के विचार को कमजोर कर रही है : गौरव भाटिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राष्ट्रीय जनता दल पर निशाना साध ा और आरोप लगाया कि राजद और तेजस्वी यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछड़े वर्गों, दलितों और महिलाओं को सशक्त बनाने के विचार को नष्ट कर रहे हैं और उनका विचार संविध ान के खिलाफ है और उनका उद्देश्य शरिया कानून लागू करना है। गौरव भाटिया ने कहा, बिहार में जो लोग खुद को समाजवादी कहते हैं , उनका असली चेहरा नमाजवादी है। ये नमाजवादी बाबा साहब के संविधान को नहीं चाहते, न ही उसका सम्मान करते हैं। वे केवल शरिया कानून चाहते हैं... वे केवल एक समुदाय को सशक्त बनाना चाहते हैं। राजद और

तेजस्वी यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछड़े वर्गों, दलितों और महिलाओं को सशक्त बनाने के विचार को नष्ट कर रहे हैं। आप शरिया की बात करते हैं, जबकि भाजपा संविधान की बात करती रहेगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि वे संविधान द्वारा पारित वक्फ संशोधन विधेयक को कूड़ेदान में फेंक देंगे। तुष्टिकरण के उस्ताद मौलाना तेजस्वी यादव , क्या आपने कभी संविध ान पढ़ा है?... क्या कोई राज्य सरकार संसद में पारित और राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित कानून की अवहेलना कर सकती है आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि वह शरिया कानून लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा ,कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया था कि वह शरिया कानून लागू करना चाहती है। पर्सनल लॉ लागू किए जाएंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण होगा, जो संविधान के खिलाफ है। एनडीए उनके मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देगी। 7 मई 2010 को लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि वक्फ बोर्ड ने सरकार और आम आदमी की जमीन छीन ली है और इसे नियंत्रित करने के लिए कड़े कानून की जरूरत है। अगर तेजस्वी यादव वक्फ संशोध ान कानून के खिलाफ नफरत भरे भाषण देते हैं, तो उनका मकसद समाज में विभाजन पैदा करना है।

दिल्ली में पुराने जमाने के प्लास्टिक उत्पादों का इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाहनों से होने वाले प्रदूषण से निपटने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दिल्ली सरकार ने मंगलवार से एंड–ऑफ–लाइफ (ईओएल) वाहनों पर सख्त नए नियम लागू करना शुरू कर दिया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के सभी पेट्रोल पंप एआई–संचालित स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरों के माध्यम से पहचाने गए पुराने वाहनों को ईंधन देने से मना कर देंगे।14 देशवासियों को बचाया मंगलवार से, ईओएल वाहन, जो डीजल के लिए 10 वर्ष और पेट्रोल वाहनों के लिए 15 वर्ष की अपनी कानूनी आयु सीमा पार कर चुके हैं, उन्हें पेट्रोल या डीजल स्टेशनों पर ईंधन भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर पाए जाने पर इन वाहनों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। नियम का उल्लंघन करते पाए जाने पर चार पहिया वाहन मालिकों पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि दोपहिया वाहन मालिकों पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पेट्रोल स्टेशनों पर लगाए गए एआई–सक्षम कैमरे नंबर प्लेट डेटा का उपयोग करके पुराने वाहनों की स्वचालित रूप से पहचान करेंगे।

वक्फ पर तेजस्वी के बयान से बिफरी भाजपा

नई दिल्ली। वक्फ को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बयान को लेकर

भारतीय जनता पार्टी लगातार हमलावर है। मंगलवार को आरजेडी पर हमला तेज करते हुए भाजपा ने कहा कि उन्हें देश में शरिया कानून चाहिए। ये नमाजवादी बाबा साहेब का संविधान नहीं चाहते हैं और न ही संविधान का सम्मान करते हैं। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को प्रेस वार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कल प्रेसवार्ता में भाजपा ने बड़ी प्रखरता से मुद्दा उठाया था कि जो बिहार में अपने आप को समाजवादी बताते हैं, उनका असली चेहरा नमाजवादी है। इनको केवल शरिया कानून चाहिए, इनको हलाला चाहिए। इनकी समझ है कि केवल एक धर्म विशेष का सशक्तिकरण हो। गौरव भाटिया ने कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कह रहे थे कि भारत की संसद से पारित वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में डाल देंगे। नमाजवादी और तुष्टिकरण के मसीहा मौलाना तेजस्वी यादव ये हमें बताइए कि क्या आपने कभी संविधान पढ़ा है, कभी उसकी मूल भावना को चरितार्थ किया है? उन्होंने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर किसी को जंगलराज देखना है तो लालू यादव, तेजस्वी यादव और आरजेडी के शासन को देख लें। जंगलराज में सबसे पहले संविधान और कानून का शासन खत्म होता है ।

केजरीवाल ने मोदी पर राजधानी के गरीबों को धोखा देने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी में झुग्गियों को गिराने की चल रही मुहिम को लेकर भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिल्ली के गरीबों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे श्नकली गारंटीश बताया। आप के श्घर–रोजगार बचाओश आंदोलन के तहत जंतर–मंतर पर लोगों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मोदी का श्जहां झुग्गी, वहां मकानश का वादा श्जहां झुग्गी, वहां मैदानश में बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के झुग्गियों को गिराने के अभियान के कारण लोग भीषण गर्मी में बेघर हो रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, श्मैंने कहा था कि अगर वे सत्ता में आए तो एक साल में आपके घर गिरा देंगे। लेकिन उन्होंने पांच महीने में ही दिल्ली को तबाह कर दिया। प्रधानमंत्री द्वारा चुनाव से पहले झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों से संपर्क साधने पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहारू "भाजपा नेता आए, आपके घरों में बैठे, कैरम खेला और फिर उन्हीं गलियों में बुलडोजर चला दिया।" रैली में सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह, आतिशी और गोपाल राय समेत वरिष्ठ आप नेता शामिल हुए और भाजपा पर बेदखली को सही ठहराने के लिए यूपी–बिहार के प्रवासियों को "बांग्लादेशी और रोहिंग्या" बताकर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया। ?सांसद संजय सिंह ने कहा, "भाजपा नेताओं ने गरीब परिवारों के घर खाना खाया और फिर उन्हें धोखा दिया।" विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा कि केजरीवाल ने "गरीबी हटाने" का काम किया, जबकि भाजपा अपने अरबपति दोस्तों को लाभ पहुंचाने के लिए "गरीबों को हटाने" की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, "यह लड़ाई अदालतों से लेकर संसद तक चलेगी।" दिल्ली के झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों से एकजुट होने का आग्रह करते हुए केजरीवाल ने कहारू "अगर 40 लाख झुग्गी–झोपड़ियाँ एक साथ खड़ी हो जाएँ, तो वे किसी भी सरकार को हिला सकते हैं। भाजपा या कांग्रेस पर भरोसा मत करो – अपनी ताकत पर भरोसा करो।" आप ने दावा किया कि भाजपा की तोड़फोड़ की होड़ सिर्फ घरों को ही नहीं तोड़ रही है, बल्कि दिल्ली के लाखों गरीब परिवारों की आजीविका, शिक्षा और सपनों को भी नष्ट कर रही है। पार्टी ने कहा कि अगर बेदखली तुरंत नहीं रुकी तो वह अपना विरोध प्रदर्शन तेज करेगी।

संपादकीय

बात–बेबात घात

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे–छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा–लिखा समाज सभ्य–संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई–रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान–पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े–लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है? हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी–छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। हम विचार करें कि क्या इंटरनेट सामग्री व आक्रामक वीडियो गेम से उपजी आक्रामकता नई पीढ़ी में असर दिखा रही है?

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रमोद

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम

भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा–तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन–लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्रायः विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक–सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते। दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों–करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर–सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है। नतीजतन भीड़ अनियंत्रित स्थिति में आ जाती है और दुर्घटना घट जाती है। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है कि तीर्थस्थलों में लोग कैसे अनुशासित व्यवहार करें। सामान्य जीवन व्यवहार और तीर्थस्थलों की सीमित जगह में बड़ी भीड़ के बीच मानवीय व्यवहार का फर्क तय किया जाना चाहिए। इस चेतना के अभाव में ही पिछले दो दशकों में हजारों लोग कुंभ, मेलों और मंदिर हादसों में मारे जा चुके हैं। दरअसल, सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन करके आयोजन की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक मार्गों और राहत बचाव को लेकर व्यापक प्लान बनाना चाहिए।

गर्म होती दुनिया में खतरा बनता फंगस

मुकुल

ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया में नए रोगजनक उभर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने एस्परजिलस नामक फंगस के बढ़ते प्रसार के बारे में चिंता जताई है। इस फंगस के फैलने में जलवायु परिवर्तन और गर्म तापमान की मदद भी शामिल है। इस प्रकार की फफूंद लोगों, पौधों और जानवरों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और कुछ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है। एक नए अध्ययन में ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने दुनिया में फंगस के विस्तार का मॉडल बनाकर दिखाया है कि फंगस की तीन प्रजातियां, एस्परजिलस फ्यूमिगेटस, एस्परजिलस फ्लेवस और एस्परजिलस नाइजर अगले 70–80 वर्षों में उत्तर की ओर फैलेंगी। शोधकर्ताओं ने फंगस के मौजूदा आवासों और वार्मिंग की भविष्यवाणी करने वाले जलवायु मॉडल का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक नॉर्मन वैन रिजन का कहना है कि आर्द्रता और चरम मौसम की घटनाओं जैसे पर्यावरणीय कारकों में परिवर्तन, आवासों को बदल देंगे और फंगस के अनुकूलन और प्रसार को बढ़ावा देंगे। वायरस और दूसरे रोगजनक परजीवियों की तुलना में फंगस पर अपेक्षाकृत कम शोध किया गया है, लेकिन ताजा अध्ययन दिखाते हैं कि भविष्य में फंगस रोगजनकों का दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। गंभीर जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य के तहत, यूरोप में एस्परजिलस फ्यूमिगेटस का प्रसार 15 वर्षों में 77.5 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिससे 90 लाख और लोगों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। एस्परजिलस फ्लेवस जो गर्म क्षेत्रों को तरजीह देता है, यूरोप में 16 प्रतिशत तक प्रसारित हो सकता है, जिससे अतिरिक्त 10 लाख लोग जोखिम में पड़ सकते हैं। शोधकर्ता नए क्षेत्रों में फैलने वाले संक्रमण से चिंतित हैं। इस तरह के फंगस संक्रमण कमजोर लोगों, विशेष रूप से कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को ज्यादा परेशान करेंगे। इस बात की अधिक संभावना है कि नई जगहों पर फंगस की प्रजातियों के अनुकूलन बाद स्वस्थ व्यक्तियों में भी संक्रमण के मामले बढ़ जाएंगे। शोधकर्ताओं का कहना है कि मानव संक्रमणों के अलावा और भी बातें चिंताजनक हैं। फंगस के प्रकोप से फसलें नष्ट हो सकती हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने करने की चुनौतियों में वृद्धि हो सकती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में लिखा है कि एशिया, यूरोप और दुनिया के दूसरे हिस्सों में एस्परजिलस फंगस के साथ मानव संपर्क में वृद्धि की संभावना आने वाले समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य का बोझ बढ़ा सकती है और फसल सुरक्षा परिदृश्य को बदल सकती है। एस्परजिलस के अलावा एक और फंगस, कैंडिडा ऑरिस भी वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय रही है। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनने में सक्षम यह फंगस भी दुनिया के गर्म होने के साथ–साथ नए क्षेत्रों में फैल रही है, और अन्य प्रजातियों के भी इसका अनुसरण करने की संभावना है। इन फंगस प्रजातियों का एक दूसरा पहलू भी है। पर्यावरण संतुलन में उनकी खास भूमिका है। वे पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ पहुंचाती हैं, जिसमें कार्बन और पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण शामिल है। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलावों पर गौर करते समय इन सभी बातों पर भी विचार करने की आवश्यकता पड़ेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि फंगस रोगजनकों के प्रभावों को कम करने के लिए उनके बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ प्रभावी चिकित्सीय उपचार विकसित करना भी जरूरी होगा। इस बीच, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खेती में नए फफूंदनाशक रसायनों के व्यापक उपयोग से मनुष्यों और जानवरों में फंगल संक्रमण के उपचारों के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में कृषि में उपयोग किए जाने वाले फफूंदनाशक को मनुष्यों और जानवरों दोनों में फफूंद रोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध में वृद्धि से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. जॉर्ज थॉम्पसन और डॉ. एंजेल देसाई ने चेतावनी दी है कि हानिकारक फफूंद को मारने के लिए विकसित किए गए नए कृषि कीटनाशक लोगों और जानवरों में खतरनाक फंगल संक्रमण का इलाज करना कठिन बना सकते हैं। फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं। दोनों विशेषज्ञों ने वैश्विक समुदाय से फफूंद और बैक्टीरिया जैसे रोगजनकों से लड़ने के लिए रासायनिक एजेंटों के विकास, परीक्षण और उपयोग के लिए 'समग्र स्वास्थ्य' दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया है। थॉम्पसन ने कहा, दवा प्रतिरोधी रोगजनक एजेंटों का विवेकपूर्ण उपयोग करने की भी आवश्यकता है। हमने सीखा है कि पशुधन के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के व्यापक उपयोग के परिणामस्वरूप जीवाणुरोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध का तेजी से विकास हुआ है। पर्यावरण में फफूंदनाशक के उपयोग के बारे में भी ऐसी ही चिंताएं हैं। समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि कैसे एक क्षेत्र में परिवर्तन से मानव गतिविधि,पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है।

..... विविध .....

दूसरों की जान बचाने वालों का कौन रखेगा ख्याल

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर, स्पॉटलाइट न केवल उन लोगों पर जाती है जो राष्ट्र को ठीक करते हैं, बल्कि एक जरूरी सवाल पर भी जाती है जिसे पूछने की हिम्मत बहुत कम लोग करते हैंरू उपचार करने वालों को कौन ठीक करता

है? इस वर्ष की थीम, देखभाल करने वालों की देखभाल, इससे अधिक समयोचित नहीं हो सकती थी। पूरे भारत में, हजारों डॉक्टर, विशेष रूप से जूनियर और रेजिडेंट मेडिकल पेशेवर, लगातार काम के घंटों, बढ़ते भावनात्मक दबाव और मानसिक स्वास्थ्य संकटों से जूझ रहे हैं । आज हम इ खास मौके पर इनके मानसिक स्वास्थ्य संकट को उजागर कर रहे हैं।

मेडिकल छात्रों के आत्महत्या के बढ़ रहे मामले

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आरटीआई डेटा के अनुसार, 2018 और 2023 के बीच, भारत में 119 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या कर ली – उनमें से 58 स्नातकोत्तर छात्र थे। यह हर 15 दिनों में लगभग एक आत्महत्या के बराबर है, जो अलग–अलग त्रासदियों का नहीं, बल्कि एक संकेत देता है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा किए गए 2024 के सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 3 में से आत्महत्या के विचार का अनुभव किया था। 10: से अधिक ने एक योजना बनाई थी, और करीब 5: ने पिछले वर्ष आत्महत्या का प्रयास किया था। अकेले जून 2025 में रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा अपनी जान लेने की कई रिपोर्टें देखी गईं, जो अक्सर हॉस्टल के कमरों में पाई गईं बहुत कम समर्थन के साथ आरोपित मामलों का निपटारा, और शत्रुतापूर्ण या उदासीन संस्थागत वातावरण में लौटना।

42% डॉक्टरों में बर्नआउट के लक्षण

आईएमए–गोवा के एक अध्ययन में पाया गया कि राज्य में 42: डॉक्टरों ने बर्नआउट के लक्षण प्रदर्शित किए, जबकि 12–15: ने जोखिम भरे शराब के सेवन को स्वीकार किया – उनमें से 20: ने तनाव को इसका कारण बताया। जबकि कुछ डॉक्टरों ने सुधारों और सहानुभूति का आह्वान करते हुए अपनी व्यक्तिगत लड़ाइयों को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है, विशेषज्ञों का कहना है कि चिकित्सा बिरादरी के कई लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कलंक एक बाधा बना हुआ है, उन्हें मनोचिकित्सक की मदद लेने से अभी भी ष्अनफिटष् या ष्कमजोरष् करार दिए जाने का डर रहता है।

मुंबई स्थित सलाहकार मनोचिकित्सक डॉ. अंजलिका अत्रे इस अंतर को पाटने के लिए सक्रिय रूप से काम करने वालों में से हैं। उनका कहना है कि– ष्यहां तक कि स्केलपेल को पकड़ने वाले सबसे मजबूत हाथ भी मौन में कांप सकते हैं। मदद मांगने से आप डॉक्टर से कम नहीं हो जाते,यह आपको इंसान बनाता है,ष्। वह इस बात पर जोर देती हैं कि मनोरोग चिकित्सा, जिसे अक्सर चिकित्सा हलकों में गलत समझा जाता है, एक मान्य और कभी–कभी जीवन रक्षक उपकरण है,ठीक वैसे ही जैसे एंटीबायोटिक्स संक्रमण के लिए होते हैं। उनका क्लिनिक अनुरूप औषधीय उपचार, तनाव विनियमन उपचार और आत्महत्या रोकथाम रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करता है,एक सुरक्षित स्थान प्रदान करता है जहाँ देखभाल करने वालों की देखभाल की जा सकती है।

स्वास्थ्य सेवा कर्मियों पर ध्यान देने की जरूरत

डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में 1 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पारंपरिक रूप से भाषणों, समारोहों और कृतज्ञता की अभिव्यक्तियों द्वारा चिह्नित किया जाता है। स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं के साथ, सार्वजनिक जीवन में बदलाव धारणा – जो डॉक्टरों को अलौकिक नहीं, बल्कि मानव के रूप में देखती है आवश्यक है। सम्मान, सहानुभूति और समर्थन उन लोगों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने में एक लंबा रास्ता तय कर सकते हैं जो स्वास्थ्य सेवा के अग्रिम मोर्चे पर सेवा करते हैं।

जवान बने रहने की चाह में खा रहे हैं एंटी–एजिंग दवाए

बॉलीवुड एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन ने सभी को सदमा पहुंचाया है। केवल 42 वर्ष की उम्र में ही उनका अचानक निधन हुआ, जो सुनकर हर कोई हैरान है। शुरुआती रिपोर्ट्स में बताया गया है कि शेफाली को कार्डियक अरेस्ट आया था, लेकिन पुलिस जांच में उनके कमरे से एंटी–एजिंग दवाइयां भी बरामद हुई हैं। उनके पति पराग त्यागी ने बताया कि शेफाली पिछले 8 सालों से इन दवाओं का सेवन कर रही थीं और साथ ही मिर्गी की बीमारी से भी जूझ रही थीं। इस मामले ने एंटी–एजिंग दवाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर दिखने वाली चमकदार तस्वीरों और इन दवाओं को आइए जानते हैं, क्या हैं ये दवाएं और किसके लिए हो सकती हैं हानिकारक। विशेषज्ञों के अनुसार, यह चिंताजनक है क्योंकि इन के गंभीर? बाजार में मिलने वाली कई एंटी–एजिंग दवाएं बिना चतवचमत जमेजपदह के बेची जा रही हैं। लोग अपनी ीमंसजी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, जिसके परिणाम भविष्य में घातक हो सकते हैं। यह समय की मांग है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाए।

बिना सलाह के दवाओं का सेवन

युवा दिखने की चाह में लोग अब वदसपदम चसंजवितउे से खरीद रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, 25 से 40 साल के लोग सबसे ज्यादा इन दवाओं का शिकार बन रहे हैं। मिलने वाले को देखकर लोग तुरंत वतकमत कर देते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि 90: लोग बिना डॉक्टर की सलाह के इन उमकपबपदमे का सेवन शुरू कर देते हैं। वे समझते हैं कि ये और इनसे कोई नुकसान नहीं होगा। कई लोग तो एक साथ लेते हैं, जो अत्यंत खतरनाक है। विशेषकर महिलाएंसेवन कर रही हैं। पुरुष भी और दजप–हपदह बंचेनसमे ले रहे हैं। यह अंधाधुंध सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

गंभीर साइड इफेक्ट्स की चेतावनी

इन गंभीर दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं। हार्मोनल असंतुलन सबसे आम समस्या है, जिससे महिलाओं में और हो रहे हैं। पुरुषों में के स्तर में अचानक बदलाव देखा जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिवर डैमेज के मामले बढ़ रहे हैं। कई लोगों में सपअमत मद्रलउमे का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। किडनी की समस्याएं भी सामने आई हैं, जहां लोगों को पेशाब में दिक्कत और सूजन का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा त्वचा पर विपरीत प्रभाव भी देखे गए हैं। कई लोगों कीऔर भी खराब हो गई है। पाचन संबंधी समस्याएं, सिरदर्द और नींद न आने की शिकायतें भी बढ़ी हैं। ये सभी लक्षण इन दवाओं के गलत इस्तेमाल के परिणाम हैं।

त्वचा विशेषज्ञों की गंभीर चेतावनी

देश के प्रमुखने इस बढ़ते जतमदक को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि बिना के एंटी–एजिंग दवाएं लेना जहर पीने के समान है। इन दवाओं में मौजूद जानलेवा हो सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई एंटी–एजिंग दवाएं में मिलाए जाते हैं। ये तत्काल तमेनसजे दिखाते हैं लेकिन लंबे समय में वतहंद पिसनतम का कारण बन सकते हैं। विशेषकर महिलाओं में हो सकती हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ये भी पैदा करती हैं। एक बार शुरू करने के बाद लोग इन्हें छोड़ नहीं पाते। डॉक्टरों का स्पष्ट कहना है कि और इन दवाओं से बचना ही बेहतर है।

पैरों की मामूली दिक्कतें हो सकती हैं हार्ट फेलियर के शुरुआती लक्षण

कभी–कभी ऐसा होता है कि पैरों में भारीपन महसूस होता है या जूते तंग लगने लगते हैं। ऐसा अगर कभी–कभार हो तो चिंता की बात नहीं होती। लेकिन अगर ये परेशानी लगातार बनी रहती है, तो इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। क्योंकि ये दिल से जुड़ी बीमारियों का शुरुआती संकेत भी हो सकता है। इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर बताते है कि दिल की बीमारी के कारण पैरों में कौन–कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं, इनके कारण क्या हो सकते हैं और कैसे इनसे बचा जा सकता है।

जब दिल कमजोर होता है तो शरीर पर क्या असर होता है?

अगर आपके दिल में कोई परेशानी है या दिल ठीक से काम नहीं कर रहा है तो शरीर के सभी हिस्सों में खून ठीक से नहीं पहुंच पाता। खासकर, पैरों और टखनों में खून का बहाव कम हो जाता है जिससे वहां सूजन, भारीपन या दर्द जैसा महसूस हो सकता है। हालांकि ये लक्षण किडनी की बीमारी या जोड़ों की समस्या से भी हो सकते हैं लेकिन अगर इनके साथ सांस फूलना, थकावट, या हृदय से जुड़ी कोई और दिक्कत भी हो रही हो तो इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।

हार्ट की कमजोरी में पैरों में दिखने वाले लक्षण

दिल कमजोर होने पर सिर्फ सूजन ही नहीं, और भी कई संकेत मिलते हैं

हल्की सी मेहनत करने पर या सीढ़ियां चढ़ने पर पैरों में दर्द होना

चलते समय सांस फूलना

बिना कोई भारी काम किए ही थकान महसूस होना

जूते जो पहले ठीक से आते थे, अब तंग लगने लगते हैं

टखनों, पंजों या पैरों में लगातार सूजन बनी रहना

ये सब लक्षण फ्लूइड रिटेंशन यानी शरीर में पानी जमा होने के संकेत हो सकते हैं। यह इसलिए होता है क्योंकि दिल की पंपिंग क्षमता (म्रमबजपवद थ्तंबजपवद) कम हो जाती है। अगर आपको पहले से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या थायरॉइड जैसी बीमारियां हैं तो इन लक्षणों को बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करें।

दिल कमजोर क्यों होता है?

पैसे की लेनदेन को लेकर हुई थी युवक की हत्या

अयोध्या।कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में पैसे के लेनदेन को लेकर मृतक राजेश सिंह की हत्या आरोपी ने गला दबाकर किया था।पुलिस ने इस हत्याकांड मे शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।इस बात का खुलासा बुधवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने पत्रकार वार्ता में किया।उन्होंने बताया कि एक जुलाई को पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक आरोपी धर्मवीर सिंह व ध र्मवीर सिंह की मां रम्भा द्वारा पीडिता के पति राजेश कुमार सिंह जो कि महोबरा चौराहा (चूडामणि चौराहा) कोतवाली अयोध्या में ज्ञानेश चन्द्र श्रीवास्तव की मार्केटिंग के पैसो के लेन देन को लेकर हत्या का मामला सामने आया।बताया कि मृतक राजेश सिंह और आरोपी ध र्मवीर सिंह अगल बगल किराये पर कमरा लेकर साथ में काम करते थे।छानबीन मे यह आया वर्ष 2024 में अभियुक्त धर्मवीर सिंह के द्वारा 3,00,000ध रुपये मृतक राजेश सिंह को दिया गया था।मृतक रुपया वापस नही कर रहे थे और मारने पीटने की धमकी दे रहे थे जिससे आरोपी ने छिपाकर मृतक राजेश सिंह के खाने में नीद की 03 गोलियां मिला दिया और उसके बाद जब वह नीद में आ गया था तो उसके बाद अगौंछे से राजेश सिंह का गला दबा कर मार दिया था और घटना को आत्म हत्या दिखाने के लिए चाकू से मृतक के हाथ की नस काट दिया था। जिससे कि घटना आत्म हत्या प्रतीत हो सके और मृतक की मार्केट पर अभियुक्त कब्जा कर सके। क्योंकि मृतक राजेश सिंह ने मार्केट में 15 से 20 लाख रुपये लगा रखे थे।बताया कि पुलिस ने इस मामले मे आरोपी धर्मवीर सिंह पुत्र राजेश्वर सिंह निवासी ग्राम नसीरुद्दीनपुर थाना खानपुर जिला गाजीपुर हाल पता महोबरा बाजार (चूडामणि चौराहा) रानोपाली थाना कोतवाली अयोध्या को बुधवार को महोबरा अंडर पास बूथ नंबर चार से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार करने वाली टीम मे मनोज कुमार शर्मा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध ्या,उ0नि0 बृजभूषण पाठक थाना कोतवाली अयोध्या सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों को मर्ज किये जाने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों को मर्ज किये जाने का मामला जोर पकड़ता जा रहा है। सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक षिक्षक संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में पदाधिकारियों, शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन हर्रैया विधायक अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष राजेन्द्रनाथ तिवारी को ज्ञापन सौपा।ज्ञापन देने के बाद संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने विद्यालयों को मर्ज किये जाने के विरोध में जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रदेश व्यापी आन्दोलन का निर्णय लिया है। अच्छा हो कि सरकार इसके पहले अपना निर्णय वापस ले ले। कहा कि सरकार का यह निर्णय पूरी तरह से गरीबों, वंचितों के पाल्यों के साथ विश्वासघात जैसा है। कहा कि प्राइमरी स्कूलों में प्री प्राइमरी शुरू कराया जाय। यदि सरकार ने अपना निर्णय वापस न लिया और अध्यापकों को सर प्लस दिखाकर समायोजन प्रक्रिया बंद न हुई तो बस्ती समेत प्रदेश के शिक्षक चुप नहीं बैठेंगे और निर्णायक आन्दोलन छेड़ा जायेगा। उन्होने ग्राम प्रधान और विद्यालय प्रबन्ध समिति, प्रधानाध्यापकों का आवाहन किया कि विद्यालयों के मर्जर प्रपत्र पर हस्ताक्षर न करे।संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार शिक्षा विरोधी अपने निर्णय को तत्काल वापस ले। कहा कि एक तरफ तो सरकार सबको शिक्षा देने की बात करती हैं दूसरी ओर परिषदीय विद्यालयों को बंद किये जाने का निर्णय लिया जाता है। यह गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने जैसा है।ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से महेश कुमार, शैल शुक्ला, मारूफ खान, विनोद यादव, अनिल सिंह, शिवम शुक्ल, विजय कुमार वर्मा, कन्हैयालाल भारती, राहुल उपाध्याय, शिवानन्द पाण्डेय, गिरजेश उपाध्याय, प्रशान्त प्रियदर्शी, मनोज, राम विशुन, महेश के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

तहसील प्रशासन न्याय न मिलने के बाद डीएम के दरबार में पहुंचा फरियादी

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के तमकुही राज तहसील क्षेत्र को ग्राम गडहिया मोहन मे पट्टे की भूमि पर कब्जा पाने के लिए तहसील प्रशासन के चौखट पर माथा टेकते–टेकते थक चुके शहीद सोमवार को जिलाधिकारी के दरबार हाजिरी लगायी। पीडित ने हाकिम को अपनी पीडा सुनाई और पट्टे की भूमि पर कब्जा पाने के लिए गुहार लगाई है। बतादे कि जनपद के तमकुहीराज तहसील के ग्राम गडहिया मोहन निवासी शहीद पुत्र ढोढा को तकरीबन दो दशक पूर्व आवासीय पट्टा मिला था। उस समय तहसील प्रशासन ने शहीद को दिये पट्टे की भूमि पर बकायदे कब्जा भी दिलाया था। किन्तु अब वह जमीन पीडब्ल्यूडी की जमीन बतायी जा रही है मतलब यह कि तमकुहीराज तहसील प्रशासन ने शहीद को जो जमीन पट्टा देकर कब्जा दिलाया था और शहीद जिस जमीन पर बीस सालो से कब्जा किये हुए थे वह जमीन पीडब्ल्यूडी की जमीन है। अब सवाल यह उठता है कि इसके लिए जिम्मेदार और दोषी कौन है? मजे की बात यह है कि जब इसकी जानकारी पट्टाधारक शहीद को हुई तो वह तमकुहीराज तहसीलदार से मिला और प्रार्थना पत्र देकर वर्षो पूर्व आवंटित आवासीय पट्टे की भूमि पर कब्जा दिलाने की गुहार लगायी तो तहसीलदार तमकुहीराज ने बडे ही गैरजिम्मेदाराना लहजे मे कहा कि यहाँ भूमि नहीं है। इधर कृषि पट्टाधारक ने भूमि दूसरे को बेच दिया है उस पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया। शहीद ने यह भी कहा कि इसमें पीडबल्यूडी की भूमि भी है बावजूद इसके तमकुहीराज प्रशासन प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य बंद नहीं कराया गया इसके बाद वादी अपने वैध पट्टे पर कब्जा पाने के लिए दर दर भटकने को मजबूर हो गया फिर भी उसे तमकुहीराज तहसील प्रशासन से उसे न्याय नही मिला। नतीजतन शहीद सोमवार को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी फरियाद सुनाई और न्याय की गुहार लगायी है। पीडित का कहना है कि अगर भूमि नहीं थी तो तहसील प्रशासन ने मुझे पट्टा क्यों दिया। ऐसे में मेरे साथ फ्राड हुआ है तो ऐसा करने वालो पर कार्यवाही होनी चाहिए।

बहनों ने शव को पहचाना, नहर में मिली लाश भाई राजकुमार की

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कप्तान गंज थाना क्षेत्र के मठिया गाँव 24 वर्षीय राजकुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर गुप्ता मानसिक रोग से पीड़ित है।उसकी शादी–शुदा पांच बहनें पति के साथ रहती हैं।उन बहनों ने बताया कि अर्धविक्षिप्त भाई अविवाहित तथा अकेले ही घर पर रहता था।शनिवार के शाम 8 बजे तक घर पर रहा।उसके बाद घर से गायब हो गया।अगले सुबह बनकटा बड़ी नहर के सायफन के पास एक लाश मिलने के खबर तेजी से फैल गई।बहनों ने कहा कि पुराना फोटो और लाश का मिलान करने पर राजकुमार से मिल रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभूषण प्रजापति ने बताया कि बनकटा सायफन पर अज्ञात लाश मिलने की खबर पर पुलिस लोगों के सहयोग से लाश बाहर निकलवा कर पहचान कराने की काफी कोशिश किया गया।अंत में लावारिस मानकर कानुनी कारवाई के बाद लाश को पीएम के लिए भेज दिया।रिपोर्ट आने के बाद उसके मृत्यु के कारण का पता चल पाएगा।

लखनऊ में कार चालक के साथ दबोचा गया आरोपी

लखनऊ, (संवाददाता)। ताजमहल के पश्चिमी गेट पार्किंग पर सोमवार सुबह बैरियर पर रोकने से गुस्साए कार सवार आजमगढ़ की बलरामपुर कॉलोनी निवासी पंकज कुमार सिंह ने रिवॉल्वर से तीन राउंड हवाई फायरिंग की और वहां से भाग निकला। आगरा पुलिस की सूचना पर काकोरी पुलिस ने आगरा–एक्सप्रेस वे के टोल प्लाजा के पास कार को घेर लिया। पुलिस ने जैसे ही कार चालक आगरा निवासी योगेश चौहान को पकड़ा, साथ में बैठा आरोपी पंकज असलहा लहराते हुए कार लेकर बैरियर तोड़ते हुए भाग निकला। कुछ देर के बाद आरोपी पंकज को मानकनगर पुलिस ने धर–दबोचा। दोनों को पुलिस ने आगरा की ताजगंज पुलिस के हवाले कर दिया है। आगरा पुलिस के अनुसार सुबह करीब 9रू30 बजे एक कार सवार पंकज पश्चिमी गेट पार्किंग से अमरूद टीला तक पहुंचा। कार में चालक भी था। पुलिस ने बैरियर पर कार को रोक दिया। कार सवार पंकज पुलिस से उलझ गया। खुद को वीआईपी बताकर कार के साथ आगे जाने की जिद करने लगा। पुलिसकर्मियों ने कार को लौटा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वहां से लौटने पर पश्चिमी गेट पार्किंग के पास कार सवार पंकज ने तीन बार हवाई फायर किए और कार से भाग गया। फायरिंग की घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई। पहले तो आगरा पुलिस पूरे मामले पर पर्दा डालती रही। ताजगंज अरबी अहमद के मुताबिक आगरा पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद कार नंबर को ट्रेस कर उसके चालक को हिरासत में लिया। कार चालक ने पुलिस को बताया कि सोमवार सुबह वृंदावन से पंकज उनकी कार से ताजमहल आया था। घटना के बाद उसने पंकज को एत्मादद्दौला के पास छोड़ दिया था। पंकज वहां से दूसरी कार में बैठकर चला गया था। सीसीटीवी से पता चला कि पंकज कार से लखनऊ एक्सप्रेस–वे की तरफ भागा है। आगरा पुलिस की सूचना पर शाम करीब चार बजे के काकोरी पुलिस ने आगरा–एक्सप्रेस वे के टोल प्लाजा पर उक्त कार को रोक लिया।

आज से खुलेंगे प्रदेश के बेसिक और माध्यमिक स्कूल, 15 जुलाई तक चलेगा स्कूल चलो अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूल गर्मी की छुट्टियों के बाद मंगलवार एक जुलाई से खुलेंगे।

इसके साथ ही शैक्षिक सत्र 2025–26 की शुरुआत के साथ ही एक से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य व मां समूह के सदस्य घर–घर जाएंगे। वहीं कक्षा एक से तीन तक के 45 लाख से अधिक बच्चों को नए सत्र की किताबें भी मिल जाएंगी। प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में 20 मई से 15 जून तक गर्मी की छुट्टियां थीं। 16 जून से शिक्षकों–शिक्षामित्रों आदि के लिए विद्यालय खुले लेकिन बच्चों के लिए छुट्टियां 30 जून तक बढ़ा दी गई थीं। पहले दिन विद्यालय खुलने पर बच्चों का रोली–चंदन लगाकर स्वागत किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से निर्देश दिया गया है कि स्कूलों को सजाया जाए। वहीं मिड–डे–मील में खीर, हलवा आदि परोसा जाएगा। राज्य सरकार ने सभी जिलों में स्कूल चलो अभियान के लिए दो लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है। घर के कार्यों या सामाजिक कारणों से स्कूल से दूर रहने वाली बालिकाओं के नामांकन और उपस्थिति पर विशेष बल दिया जाएगा। अब तक स्कूलों में 1.40 करोड़ बच्चों का नामांकन कराया जा चुका है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है बच्चों को डीबीटी की जा चुकी है। वे ड्रेस में स्कूल आएं ये सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

बारिश के बीच नगर आयुक्त ने वजीरगंज पंपिंग स्टेशन का किया आकस्मिक निरीक्षण

लखनऊ:(संवाददाता)। शहर में हो रही मूसलाधार बारिश के मद्देनजर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सोमवार को जोन–1 अंतर्गत वजीरगंज पंपिंग स्टेशन का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंपों की कार्यप्रणाली, जल निकासी की स्थिति तथा मशीनों की सतत निगरानी व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली।नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पंपिंग स्टेशन को पूर्ण क्षमता से संचालित किया जाए और तकनीकी निगरानी में कोई लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जल निकासी कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इसके साथ ही नगर आयुक्त ने आम नागरिकों से अपील की कि वे सफाई व्यवस्था में सहयोग करें और नालियों या पंपिंग क्षेत्रों में कूड़ा फेंकने से बचें, ताकि जलभराव की समस्या को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि नगर निगम की टीमें पूरे शहर में सतत निगरानी कर रही हैं और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार हैं।

अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह ने बारिश के बीच किया स्थलीय निरीक्षण

लखनऊ:(संवाददाता)।सोमवार को लगातार हो रही वर्षा के बीच अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह ने शहर के विभिन्न इलाकों का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोमती नगर स्थित रिवर फ्रंट और दस–नब्बे चौराहे का भ्रमण किया, जहां उन्होंने जलभराव से उत्पन्न समस्याओं को लेकर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।अपर नगर आयुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलनिकासी में विलंब न हो। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित रखने और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश भी दिए।महोदया ने कहा कि पंपिंग सिस्टम की निरंतर निगरानी की जाए और किसी भी मशीन में खराबी आने की स्थिति में तत्काल मरम्मत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सफाई व्यवस्था को भी चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।नगर निगम की टीम लगातार निगरानी कर रही है ताकि जलभराव और यातायात से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके।

नगर आयुक्त ने हरीनगर नाले का किया निरीक्षण

लखनऊ:(संवाददाता)। सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार ने जोन–6 अंतर्गत बालागंज वार्ड स्थित हरीनगर नाले का स्थलीय निरीक्षण किया। यह नाला कैंटल कॉलोनी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहां अक्सर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने नाले की सफाई व्यवस्था, जलनिकासी की स्थिति तथा प्रवाह में किसी भी प्रकार की बाध ा को गंभीरता से जांचा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाले की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो।नगर आयुक्त ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बारिश के दौरान नाले का जल बिना रुकावट प्रवाहित होता रहे ।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

लखनऊ:(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के लगभग तीन दर्जन जिलों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाध ान के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत तौर पर प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निराकरण इस प्रकार किया जाए कि पीड़ित पूरी तरह संतुष्ट हो और उन्हें बार–बार अधिकारियों के चक्कर लगाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने समयबद्धता के साथ जनता की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भी आव्हान किया।केशव प्रसाद मौर्य ने विशेष रूप से भूमि विवाद, अवैध कब्जे, चकबंदी, सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, अभियुक्तों की गिरफ्तारी, उत्पीड़न जैसी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि भूमि संबंधी प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर उचित समाधान करें। उन्होंने अधिकारियों को कड़ा आदेश दिया कि अवैध कब्जों के मामलों में आवश्यकतानुसार कठोर कार्रवाई की जाए और उत्पीड़न के मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जाए।जनता दर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़, प्रयागराज, सिद्धार्थनगर, जौनपुर, सीतापुर, फतेहपुर, कानपुर देहात, पीलीभीत, बाराबंकी, रायबरेली, लखीमपुर, बहराइच और सुल्तानपुर सहित अन्य जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षकों से दूरभाष पर संपर्क कर लोगों की शिकायतों के निराकरण की स्थिति का व्यक्तिगत रूप से जायजा लिया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण शीघ्र और प्रभावी ढंग से हो ताकि शासन व्यवस्था पर जनता का विश्वास और बढ़े। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की सेवा में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।इस मौके पर अधिकारियों के साथ–साथ जनता के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल को सराहनीय बताते हुए प्रदेश सरकार से निरंतर इसी तरह जनसुनवाई कार्यक्रम जारी रखने की मांग की।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई अंतर्जनपदीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़

लखनऊ:(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी में वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीसीपी उत्तरी के निर्देशन में क्राइम ब्रांच, सर्विलांस टीम और मड़ियांव थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सोमवार को तीन शातिर अंतर्जनपदीय वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 13 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जो राजधानी समेत विभिन्न जनपदों से चोरी की गई थीं।यह कार्रवाई उस समय हुई जब मड़ियांव थाना क्षेत्र की पुलिस टीम रामबैंक चौकी क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तीन वाहन चोर यादव चौराहे से पहले सर्विस लेन के पास चोरी की बाइकों के साथ मौजूद हैं और जल्दी की जाए तो उन्हें रंगेहाथ पकड़ा जा सकता है। सूचना पर सक्रिय हुई टीम ने तत्काल घेराबंदी कर तीनों अभियुक्तों को धर दबोचा।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान दिलीप पुत्र गुमानी सिंह उर्फ रज्जू (निवासी सुल्तानपुर, सीतापुर), अली हुसैन उर्फ सूफियान (निवासी मियागंज, सीतापुर) और शाहिद पुत्र रफीक (निवासी महाराजनगर, सीतापुर) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे चोरी की मोटरसाइकिलों को अन्य जिलों में 20 से 25 हजार रुपये में बेचते थे और उससे प्राप्त रकम से अपनी जरूरतें पूरी करते थे।पुलिस ने इनके कब्जे से हीरो स्प्लेंडर, पैशन प्रो, एचएफ डीलक्स, बजाज डिस्कवर और प्लेटिना समेत कुल 13 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं, जिनमें से कई गाड़ियां मड़ियांव, अलीगंज और बीकेटी थानों में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित पाई गईं। बरामद बाइकों के आधार पर मड़ियांव थाने में धारा 317(2)ध317(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि पूर्व में दर्ज मामलों में भी अभियोगों में वृद्धि की गई है।पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि तीनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्त शाहिद के खिलाफ जानकीपुरम, मड़ियांव और इंदिरानगर में कुल सात मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें चोरी और आपराधिक षड्यंत्र जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। दिलीप के खिलाफ चिनहट और तालगांव थानों में वाहन चोरी और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं, जबकि अली हुसैन पर सीतापुर कोतवाली में लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं।इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थाना मड़ियांव के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार, अपराध शाखा प्रभारी आशुतोष पांडेय, सर्विलांस टीम प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह समेत 30 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों के 20182 शिक्षकों का तबादला

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में लगभग आठ साल बाद जिले के अंदर सामान्य तबादले किए गए हैं। सोमवार देर रात जारी सूचना के अनुसार इस साल 20182 शिक्षकों के तबादले हुए हैं। इनको जल्द तबादले वाले स्कूल में ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं। बीते काफी समय से इन तबादलों की मांग चल रही थी। ट्रांसफर के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के पास कुल 33484 आवेदन आए थे। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इस बार गर्मी की छुट्टियों में एक के बाद एक तबादलों की प्रक्रिया अभियान चला कर और निर्धारित समय में पूरी की गई है। इसी क्रम में एक सप्ताह पहले जिले के अंदर सामान्य तबादले के लिए आवेदन लिए गए थे। इसके लिए प्रदेश भर में 33484 शिक्षकों ने आवेदन किया था। विभाग की ओर से निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर सोमवार देर रात इसका परिणाम जारी किया गया। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि कुल 20182 शिक्षकों का तबादला हुआ है। इनकी सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने बताया कि तबादला पाए शिक्षकों को जल्द कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि एक जुलाई से शुरू हो रही पठन पाठन की प्रक्रिया को बेहतर किया जा सके। बता दें कि इससे पहले 2017 में जिले के अंदर सामान्य तबादले किए गए थे। तब से काफी संख्या में शिक्षक इसके लिए इंतजार कर रहे थे। प्रदेश में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूल गर्मी की छुट्टियों के बाद मंगलवार से खुलेंगे। इसके साथ ही शैक्षिक सत्र 2025–26 की शुरुआत के साथ ही एक से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान का दूसरा चरण पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। वहीं कक्षा एक से तीन तक के 45 लाख से अधिक बच्चों को नए सत्र की किताबें भी मिल जाएंगी।अब तक स्कूलों में 1.40 करोड़ बच्चों का नामांकन कराया जा चुका है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है बच्चों को डीबीटी की जा चुकी है। वे ड्रेस में स्कूल आएं ये सुनिश्चित किया जाए। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि स्कूल खुलने के पहले सूची आ जाने के बाद एक सप्ताह के भीतर रिलीव और ज्वाइंन करने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। याचियों की ओर से दलील दी गई कि महेश निषाद ने 18 मार्च 2025 को अलीगंज थाने में स्वीकार किया था कि उसने साढ़े छह लाख रुपये याचियों के घर से चोरी किए हैं तथा 90 हजार व 38 हजार रुपये वापस भी किए। उसके छोटे भाई शंकर निषाद व पत्नी कविता निषाद के साथ थाने में लिखित समझौता हुआ कि वह बाकी के पैसे छह माह में लौटा देगा। कहा गया कि इसके 13 दिनों बाद उसने आत्महत्या कर ली, लिहाजा ये नहीं कहा जा सकता ।

27000 स्कूलों को बंद करने के फैसले पर भड़की आम आदमी पार्टी

लखनऊ:(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के फैसले के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने तीखा विरोध जताया है। पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने सोमवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि योगी सरकार 27000 सरकारी स्कूल बंद करने जा रही है, जिससे पूरे प्रदेश में आक्रोश है और गांव–गांव में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।वंशराज दुबे ने कहा कि एक ओर सरकार 27000 शराब की दुकानें खोलने में रुचि ले रही है, दूसरी ओर बच्चों का भविष्य छीनने के लिए 27000 स्कूलों को बंद करने का आदेश दे रही है। उन्होंने एलान किया कि आम आदमी पार्टी इस तुगलकी फैसले के खिलाफ 2 जुलाई को प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।उन्होंने आंकड़ों के हवाले से कहा कि पिछले चार वर्षों में प्रदेश के 42 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों की शिक्षा छोड़ दी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार अकेले एक वर्ष में 8 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़े, जिनमें अलीगढ़ जनपद के 58 हजार बच्चे भी शामिल हैं। वंशराज दुबे ने बताया कि अब तक 26000 स्कूल पहले ही बंद हो चुके हैं और अब 27000 और बंद करने की तैयारी है, जिससे न केवल बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा, बल्कि लगभग 1 लाख 35 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति, 27000 प्रधानाध्यापकों की संभावनाएं और हजारों शिक्षामित्रों की नियुक्तियां भी खत्म हो जाएंगी।

डा. महिमा सिंह को कजाकिस्तान से मिली एमबीबीएस की डिग्री

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी नसिरा गांव के निवासी डॉ. महिमा सिंह को कजाकिस्तान के सेमी मेडिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई पूरी की और वहीं से उन्हें एमबीबीएस की डिग्री मिली । जिससे क्षेत्र में पूरी की और पढ़ाई में टॉप टेन में स्थान बनाने वाली डॉ महिमा सिंह को एमबीबीएस की डिग्री दी गई, सेमी मेडिकल यूनिवर्सिटी में रेक्टर डॉ. झानारगुल ,यूनिवर्सिटी के डीन डॉ. आलुवा एम. सारापियेवा एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की, डा. महिमा सिंह मानवेंद्र सिंह सुमन पीजी कॉलेज व फार्मेसी कॉलेज की डायरेक्टर व सपा की राष्ट्रीय सचिव महिला सभा डॉ सुमन यादव की सुपुत्री हैं ,डॉ सुमन यादव ने बताया कि सेमी मेडिकल यूनिवर्सिटी में उच्चतम अंक प्राप्त करके यह उपाधि हासिल किया है। पूर्व एआईजी स्टांप महेंद्र यादव ने बताया कि बिटिया डॉक्टर बनकर मानव कल्याण में अपनी सेवा देने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया था ,जिसमें उन्हें अच्छी सफलता मिली, जिसके चलते क्षेत्र के और बच्चों में नई ऊर्जा का संचार होगा। डॉक्टर महिमा सिंह ने कहा कि किसी भी सफलता के लिए नियमित रेगुलर पढ़ाई करें निश्चित ही सफलता मिलेगी। उन्होंने सफलता का श्रेय माता–पिता शिक्षको को दिया है। लोगों में खुशी का माहौल बन गया ।लोगों ने परिजनों से मिलकर बधाई दी । बता दे की लपरी गांव निवासी पूर्व पीसीएस अधिकारी एआईजी स्टांप रजिस्ट्रेशन महेंद्र प्रताप यादव की पुत्री डॉ. महिमा सिंह कजाकिस्तान देश में स्थित सेमी मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई

वायु गुणवत्ता की निगरानी और सुधार के लिए एआई-संचालित समाधानों के लिये आईआईटीके और आईबीएम ने किया एमओयू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वायु के गुणवत्ता की निगरानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बेहतर इस्तेमाल के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–कानपुर (आईआईटी–के) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस श्एरावत रिसर्च फाउंडेशनश ने अग्रणी टेक कंपनी आईबीएम के साथ बुधवार को एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये। राजधानी लखनऊ में श्स्केलेबल एयर क्वालिटी टेक्नोलॉजीश पर आधारित एक कार्यशाला में इस एमओयू को अंतिम रूप दिया गया।

इस एमओयू का उद्देश्य ऐसे डेटा–संचालित स्थानीयकृत समाधानों को मुमकिन बनाना है जो आर्थिक विकास को पर्यावरणीय सततता के साथ संतुलित करते हों और जो विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप हों। एआई और हाइब्रिड क्लाउड में अग्रणी कम्पनी आईबीएम इस पहल के लिए रियल टाइम निगरानी और साक्ष्य–आधारित सिफारिशों की सुविधा प्रदान करेगी।

इस पहल का नेतृत्व श्कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटीश के डीन और एरावत रिसर्च फाउंडेशन के परियोजना निदेशक प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी कर रहे हैं। उनकी टीम ने उत्तर प्रदेश के हर विकास खंड में प्रदूषण के स्रोतों का मानचित्रण करने के लिए कम लागत वाले स्वदेशी सेंसर के इस्तेमाल का बीड़ा उठाया है। इस आधारभूत कार्य ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए भारत के पहले एयरशेड–आधारित ढांचे के विकास को जन्म दिया।

प्रोफेसर त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा, ष्हमने उत्तर प्रदेश, बिहार और उसके बाहर के कई हिस्सों के लिए एक संपूर्ण एयरशेड–आधारित वायु गुणवत्ता (ए.क्यू.) स्टैक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित डेटा का उपयोग किया है। अगर आप इन दो राज्यों के लिए मौजूदा निगरानी नेटवर्क को देखें तो लगभग 110 सरकारी संचालित मॉनिटर हैं। यह भारत में सबसे बड़ा है। इसके विपरीत, पिछले दो वर्षों में एरावत ने इन दोनों राज्यों में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए लगभग 1,365 सेंसर

तैनात किए हैं। लगभग हर प्रशासनिक ब्लॉक में एक सेंसर लगाया गया है। इनमें से काफी संख्या में सेंसर चालू हैं और प्रत्येक ब्लॉक के लिए कीमती विश्लेषण प्रदान करते हैं।ष

प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि आईबीएम के सहयोग से वायु गुणवत्ता की निगरानी को और बेहतर तथा स्थानीयकृत बनाने की कोशिश है। इस एमओयू के तहत काम की शुरुआत लखनऊ से की जाएगी। आईबीएम राजधानी में अपना एक डेश बोर्ड केंद्र बनाएगी।

उन्होंने कहा, ष्विचार यह है कि इन सेंसर से पीएम2.5, पीएम10, तापमान और सापेक्ष आर्द्रता पर सभी उपलब्ध डेटा का उपयोग करके एक व्यापक एक्यू स्टैक बनाया जाए। कई स्थानों पर हमने गैस प्रदूषकों पर अतिरिक्त डेटा के साथ सेंसर को बेहतर बनाया है। हमने गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) और गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) को शामिल करते हुए डेटा विश्लेषण के लिए एक पूर्ण प्रोटोकॉल विकसित किया है। फिर इस डेटा को एक्सेस और विजुअलाइज किया जा सकता है। इस वक्त हम एक मिनी विजुअलाइजेशन टूल पर काम कर रहे हैं जो उपयोगकर्ताओं को एयरशेड, हॉटस्पॉट, इन हॉटस्पॉट में योगदान देने वाले प्रदूषक स्रोतों के स्रोत, स्थान और समय को गतिशील स्तर पर देखने की सुविधा देता है।ष

प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि इस डेटा का उपयोग करके और विभिन्न मशीन लर्निंग और एआई मॉडल को लागू करके हम आधे वर्ग किलोमीटर के रिजॉल्यूशन पर पीएम 2.5 सांद्रता को कम कर सकते हैं और उसका अनुमान लगा सकते हैं। मल्टीमॉडल डेटा और एआई मॉडल का उपयोग करके हम अब केवल चार इनपुट डेटा बिंदुओं से लखनऊ में प्रति दिन लगभग दो लाख डेटा पॉइंट उत्पन्न कर सकते हैं।

आईबीएम इंडिया सॉफ्टवेयर लैब्स के उपाध्यक्ष विशाल चहल ने इस अवसर पर कहा, "एरावत फाउंडेशन और आईबीएम के बीच हुआ एमओयू यह जाहिर करता है कि कैसे सरकार, शिक्षा और उद्योग क्षेत्र पर्यावरण के लिए प्रभावशाली, और उन्नत करने योग्य नवाचारों का निर्माण करने के लिए एक साथ आ सकते हैं।" उन्होंने कहा, ष्आईबीएम में हम दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए एआई, डेटा और ऑटोमेशन में अपनी ताकत को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिजली के निजीकरण के विरोध में 27 लाख बिजली कर्मी सड़कों पर उतरे

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा
जौनपुर।।

उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के विरोध में देश के 27 लाख बिजली कर्मी सड़कों पर उतरेरू किसान संगठन और उपभोक्ता फोरम भी बिजली कर्मियों के साथ प्रदर्शन में सम्मिलित हुएरूनिजीकरण के विरोध में 09 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर आज देश के सभी प्रांतों के बिजली कर्मचारियों ,जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओ ने उत्तर प्रदेश में दो विद्युत वितरण निगमों के अंतर्गत आने वाले 42 जनपदों के किये जा रहे बिजली के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के बैनर तले ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन और ऑल इंडिया पावर मेन्स फेडरेशन ने 09 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश और राज्य विद्युत परिषद जूनियर

इंजीनियर्स संगठन, उप्र के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में घाटे के भ्रामक आंकड़ों देकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया है जिससे उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा व्याप्त है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी विगत 07 माह से लगातार आंदोलन कर रहे हैं किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आज तक एक बार भी उनसे वार्ता नहीं की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के चलते विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को बिना एक भी यूनिट बिजली खरीदे 6761 करोड रुपए का सालाना भुगतान करना पड़ रहा है । इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10000 करोड रुपए प्रतिवर्ष का अतिरिक्त भार आ रहा है। उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागो पर 14400 करोड रुपए का बिजली राजस्व का बकाया है। उत्तर प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है, गरीबी रेखा से नीचे के बिजली उपभोक्ताओं को 03 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली दी जाती है जबकि बिजली की लागत रुपए 07.85 पैसे प्रति यूनिट है। बुनकरों आदि को भी सब्सिडी दी जाती है। सब्सिडी की धनराशि ही लगभग 22000 करोड रुपए है। उत्तर प्रदेश सरकार इन सबको घाटा बताती है और इसी आधार पर निजीकरण का निर्णय लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड और शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिली भगत है। वे लाखों करोड़ रुपए की बिजली की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। पूर्वांचल में प्रदेश की सबसे गरीब जनता रहती है। दक्षिणांचल में बुंदेलखंड के क्षेत्र में बेहद गरीब लोग रहते हैं जहां पीने के पानी की भी समस्या है। निजीकरण होने के बाद यहां के उपभोक्ताओं की सब्सिडी समाप्त होने का अर्थ होगा कि उपभोक्ताओं को 10 से 12 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीदनी पड़ेगी जो वे नहीं कर पाएंगे। इस प्रकार उत्तर प्रदेश की गरीब जनता को लालटेन युग में धकेला जा रहा है। उत्तर प्रदेश में किए जा रहे बिजली के निजीकरण के विरोध में आज देशभर में 27 लाख बिजली कर्मचारियों ने सभी जनपदों और परियोजनाओं पर भोजन अवकाश के दौरान सड़क पर उतरकर व्यापक विरोध प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। बिजली कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों का कोई भी उत्पीड़न करने की कोशिश की गई तो देश के तमाम 27 लाख बिजली कर्मी मूक दर्शन नहीं रहेंगे और सड़क पर उतर कर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की होगी। आज मुख्यतः हैदराबाद, त्रिवेंद्रम, विजयवाड़ा, चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई, नागपुर, रायपुर, भोपाल, जबलपुर, वडोदरा, राजकोट, गुवाहाटी, शिलांग, कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, रांची, श्रीनगर, जम्मू, शिमला, देहरादून, पटियाला, जयपुर, कोटा, हिसार और लखनऊ में बड़े विरोध प्रदर्शन किए गए।

आज उत्तर प्रदेश में और कई प्रान्तों में बिजली कर्मचारियों के साथ संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने और कई उपभोक्ता फोरमों ने संयुक्त रूप से निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उप्र में वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, नोएडा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरदुआगंज, जवाहरपुर, परीक्षा, पनकी, ओबरा, पिपरी और अनपरा में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी लखनऊ में रेजिडेंसी पर हुए विरोध प्रदर्शन में भारी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा का बैनर लेकर किसान प्रदर्शन में सम्मिलित हुए। राजधानी लखनऊ में रेजिडेंसी और मध्यांचल मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

जेसीआई जौनपुर चेतना ने रांची मिड ईयर कॉन्फ्रेंस में जीते 17 पुरस्कार, लहराया परचम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना ने हाल ही में रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित जेसीआई इंडिया मंडल 3 के मिड ईयर कॉन्फ्रेंस (जौहर मिडकॉन) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 17 पुरस्कार जीतकर अपना परचम लहराया है। संस्था की अध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में मंडल तीन के सभी अध्यायों को उनके अब तक के कार्यकाल प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जेसीआई जौनपुर चेतना ने इसमें अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। सस्था अध्यक्ष श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जेसीआई

जौनपुर चेतना को मार्च स्टार ऑफ द मंथ और मई स्टार ऑफ द मंथ जैसे महत्वपूर्ण पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त, संगठन को ब्लड डोनेशन कैंप पोस्टर प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रस्तुति के लिए भी पुरस्कृत किया गया। इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम में जेसीआई जौनपुर चेतना की पूर्व अध्यक्ष मीरा अग्रहरि और सदस्य ज्योति यादव ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया, जिन्होंने संगठन की इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जेसीआई जौनपुर चेतना की यह सफलता न केवल संगठन के सदस्यों के समर्पण को दर्शाती है, बल्कि यह जौनपुर जिले के लिए भी गर्व का विषय है।

हल्की सी बारिश मे सडको,मोहल्लों तथा गलियों में दिखा जलभराव

अयोध्या।बुधवार को दोपहर हल्की सी बारिश ने नगर निगम के स्वच्छता अभियान की पोल खोल कर रख दी। गली मोहल्लों मे नालियों के चोक होने के चलते बारिश का पानी सडको व गलियों मुहल्लों के आसपास बहते हुए देखा जा रहा था।यहां तक कि अंबेडकर नगर मार्ग पर स्थित मारवाड़ी गेस्ट हाउस के सामने, वजीरगंज देवकाली तिराहा,राम पथ के कई जगहो पर, हैदरगंज, चेला छावनी, मुगलपुरा, पुरानी सब्जी मंडी, बेनीगंज, देवकाली गांव,रीडगंज, गुलाबबाडी,धनीराम का पुरवा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर घंटे जल भराव बना रहा। इस जल भराव की चलती जहां एक और बारिश का यह गंदा पानी आसपास की गलियों तथा मकान में जा रहा था।वही इधर से आने जाने वाले लोगो खासकर दो पहिया वाहन चालकों के साथ–साथ साइकिल व पैदल आने जाने वाले

राहगीरों को इस जल भराव की चलती काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया के इन जगहों पर जल भरा होने का मुख्य कारण यहां पर जल निकासी न होना है।आज से नहीं काफी वर्षों से यहां पर जल निकासी की समस्या बनी हुई है।जिसके चलते हल्की सी हल्की बारिश में भी यहां पर तालाब जैसी स्थिति बन जाती है।जिसके चलते स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती है।लोगों ने बताया की जल भराव के चलते जहां एक तरफ संक्रामक रोगों से ग्रसित होने की आशंका बनी रहती है वही इस समय जहरीले जीव जंतु को भी लेकर डर बना रहता है।उन्होंने बताया कि नालियों की चौक होने के चलते यह गंभीर समस्या बनी है। हल्की सी बारिश में जब इतना जल भराव देखने को मिल रहा है तो आगे लगातार बारिश के दौरान क्या स्थिति होगी।

वरिष्ठ भाजपा नेता सहित दो हत्यारोपियों को उम्र कैद 25 ,25 हजार रुपए का अर्थ दंड

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रणजीत कुमार की अदालत ने 25 वर्ष पहले गोली मारकर हत्या करने के दो आरोपियों को आजीवन कारावास व 25–25 हजार रुपए अर्थ दंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार वादी मुकदमा अनिरुद्ध सिंह निवासी ग्राम उड़ली थाना सराय ख्वाजा ने मुकदमा पंजीकृत करवाया की आज से 4 दिन पहले उसके भतीजे देवेंद्र कुमार सिंह को अजय कुमार सिंह ने धमकी दिया था कि मेरे

काम में दखल दोगे तो जान से मार दूंगा। इसके बाद वादी ने पंचायत बुलाई। पंचायत की सूचना पर आरोपीगण नाराज हो गए और दिनांक 30 अक्टूबर सन 2000 को जब वादी के भाई जनार्दन सिंह व भतीजा देवेंद्र सिंह बाजार से वापस आ रहे थे तो शाम 4रू30 बजे इटौरी बाजार के पास सोनिकपुर गांव निवासी सगे भाई अजय कुमार सिंह व विजय कुमार सिंह तथा एक अन्य व्यक्ति प्रमोद कुमार सिंह मिले और विजय व प्रमोद ने जनार्दन सिंह को पकड़ लिया और ललकारा कि इसे जान से खत्म कर दो। तब अजय कुमार सिंह ने जनार्दन सिंह को गोली मार दिया। घटनास्थल पर लोगों के एकत्रित होने पर उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए एक ही मोटरसाइकिल से तीनों आरोपी भाग गए, दूसरी मोटर मोटरसाइकिल घटनास्थल पर छोड़ दिए। पुलिस ने विवेचना करके तीनों आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।शासकीय अधिवक्ताअरुण कुमार के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने मंगलवार को विजय कुमार सिंह विद्यार्थी व प्रमोद कुमार सिंह को हत्या के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास व 25–25 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। जबकि इस मामले के एक अन्य आरोपी अजय कुमार सिंह को पहले ही आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है।

डॉक्टर्स डे पर लायंस क्लब जौनपुर गोमती द्वारा चिकित्सक सम्मान समारोह का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायंस क्लब जौनपुर गोमती द्वारा 1जुलाई को डॉ वी सी राय के जन्मदिन ष्डॉक्टर्स डेष पर चिकित्सक सम्मान समारोह का आयोजन होटल रघुवंशी, जौनपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर लक्ष्मी सिंह (सी एम ओ जौनपुर) द्वारा दीप प्रज्वलन कर डा. बी सी राय एवं मेल्विन जोन्स के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। डॉ सरला द्वारा धवज वंदना एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। संस्थापक अध्यक्ष डॉ.जी सी सिंह द्वारा डॉ वी सी राय का जीवन परिचय कराते हुए डॉक्टर्स डे के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सम्मान समारोह में चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 डॉक्टर(डा लक्ष्मी सिंह ब्डद,डा शैली मोहन, डा अतुल श्याम गुप्ता, डा प्रीति केसरवानी, डा संजय केसरवानी, डा अनुराग साहू, डा संजय श्रीवास्तव, डा विपिन सिंह, डा जी सी सिंह, डा सुलोचना सिंह, डा रामअवध यादव, डा शकुंतला यादव, डा विवेक श्रीवास्तव, डा प्रियंका श्रीवास्तव, डा राजेश मौर्य, डा रश्मि मौर्य, डा नरेंद्र यादव, डा पूजा यादव, डा इरफान खां,डा उम्मे

फरवा) को संस्था द्वारा माल्यार्पण कर सम्मान पत्र एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष डा राजेश मौर्या ने बताया कि पृथ्वी पर डाक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहा गया है। समाज में आप लोगों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।आज लायंस सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आप सभी चिकित्सक लोगों को सम्मानित कर संस्था खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही है। मुख्य अतिथि डा लक्ष्मी सिंह (ब्डद) ने लायंस क्लब जौनपुर गोमती द्वारा किए जा रहे हैं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहां की समाज में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के माध्यम से योगदान दे रहे चिकित्सकों को सम्मानित करके क्लब ने बहुत ही पुनीत कार्य किया है। चीफ डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मनीष गुप्ता ने लायंस क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत व्याख्या करते हुए बताया कि क्लब प्रत्येक वर्ष डॉक्टर डे के दिन इस तरह के आयोजन करता है। कार्यक्रम में रीजन चेयरपर्सन प्रतिमा गुप्ता, जोन चेयरपर्सन धर्मेंद्र गुप्ता, दीपक चिटकारिया, गौरव श्रीवास्तव, कमर हसनैन दीपू,धीरज गुप्ता, धनंजय पाठक, वीरेंद्र सिंह, नवीन मिश्रा, अनिल पांडे,अनिल गुप्ता, माया गुप्ता, सुनील जायसवाल, दिनेश जायसवाल, मनोज जायसवाल, सोनिया जायसवाल ,शाहिद हुसैन गुड्डू, मोहम्मद तौफीक, अरविंद बैंकर,सुधीर साहू आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देवेश गुप्ता एवं धन्यवाद व आभार कार्यक्रम संयोजक मंगला साहू द्वारा किया गया।

सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति के विरोध में बुधवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति के विरोध में बुधवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों को बंद करने संबंधी सरकार के आदेश की प्रतियॉ जलाई। इस अवसर पर पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉक्टर अनुराग मिश्रा ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि योगी सरकार बड़ी मात्रा में पाठशाला बंद कर रही है और उससे कहीं अधिक मात्रा में मधुशालाएं खोल रही है जब से योगी सरकार सत्ता में आई है तब से लगभग 26हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद हो गए तथा 27हजार से ज्यादा स्कूल फिर से बंद करने की योजना है, वहीं दूसरी तरफ 2024 में 27308 मधुशालाएं खोली गई। हम उत्तर प्रदेश में पाठशालाओं को बंद कर मधुशालाओं को खोलने की राजनीति नहीं चलने देंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।